

2.2.24

वादीगण एवं उनके अधिकाधिक उपस्थित।
 परिवर्तित मूल्य 01 के अंत में श्री योगेश
 कुमार शर्मा हस्ताक्षरित होकर अज्ञातनाम
 के विरुद्ध विरुद्ध शक्ति पराधीन विरुद्ध
 गण। वादीगण के अंत में प्रार्थना पर
 हम आशय का प्रश्न विरुद्ध गण वि
 वादीगण व परिवर्तितगण के मध्य शक्तिगत
 हो गण है इसलिए वादीगण उक्त अवधि
 वाद का चलाना नहीं चाहते हैं ना ही
 अध्यात्म शक्ति में कोई अनुलोप शर
 कराना चाहते हैं तथा भविष्य में उक्त प्रकरण
 में विवादित खसरा नम्बरों के संबंध में
 किसी भी प्रकार का दावा किसी भी अध्यात्म
 में नहीं करेंगे तथा विवादित खसरा नम्बरों
 पर वहिमत होगा। परिवर्तित नैरेय व उनके
 परिवर्तितों का कल्याण व स्वत्व रहेगा तथा शक्तिगत
 के आधार पर इसी स्तर पर वाद पर शक्तिगत
 विरुद्ध जाना आवश्यक व अध्यात्म संगत है। तथा
 हम शक्तिगत में वादीगण एवं परिवर्तितों के
 समस्त अधिकार जायेद रहें। एवं दावा वादीगण
 शक्तिगत के आधार पर शक्तिगत विरुद्ध जानने
 का निर्णय विरुद्ध। प्रार्थना पर शक्तिगत
 पराधीन विरुद्ध गण। वादीगण के पक्ष में

शक्तिगत

शक्तिगत

लाल
का
दाशरथ
मंजु

शक्तिगत

कुवरपाल

शक्तिगत

शक्तिगत

शक्तिगत

श्री कान्त सिंह रसवाड़े ने की। पशुवली का
अवलोकन किया गया एवं लक्ष्य सुनी गई। इसके
बाद व परिवार के मध्य राजीनामा हो गया
है इसलिए बाद में इनकी वाद को चलाना
नहीं चाहते हैं और दावा वादीनामा राजीनामा
के आधार पर खारिज करने का निर्णय किया
है। अतः दावा वादीनामा राजीनामा के आधार
पर खारिज किया जा रहा है। उक्त फैसला
अंगूठे से ठीक ठीक है।

सुपंडाधिकारी
धौलपुर (राज०)